[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 729 **A**

Unique Paper Code : 52051417

Name of the Paper : Hindi – C

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (10 + 10)

(क) बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया, और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, ठोस रस और स्वाद से भरा हुआ। बच्चे में कितना त्याग कितना सद्भाव और कितना विवेक है! दूसरों को खिलौना लेते और मिठाई खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा! इतना जब्त इससे हुआ कैसे?

P.T.O.

अथवा

मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों में छल-छल आँसू बहने लगे। वह दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती, पर वह बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बांध तोड़कर उगड़ आये हों। माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की, बार-बार आँखे बंद की, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे।

(ख) कहने को मनुष्य के शरीर में 5 इन्द्रियाँ हैं और यह पुतला उन्हीं 5 कर्मेन्द्रियों का बना है किन्तु उन-उन इन्द्रियों का प्राबल्य केवल अपने विषय में है अपना विषय छोड़ दूसरे के विषय में वे कुछ अधिकार नहीं रखती जैसा कर्ण इन्द्रिय का अधिकार शब्द पर है तो कान को रूप से, जो नेत्र का विषय है कुछ सरोकार नहीं है। ऐसा ही नेत्र को त्वगिन्द्रिय से, जिसका अधिकार स्पर्श पर है, कुछ सरोकार नहीं है। कड़ी वस्तु देख नेत्र को न कुछ दु:ख मिलता है न मुलायम को देख कर सुख। नासिका का विषय सुगंधी-दुर्गंधी है, शेष चार-शब्द स्पर्श रूप रस-से नासिका को कोई प्रयोजन नहीं है।

अथवा

यह काकभुशुण्डि भी विचित्र पक्षी है- एक साथ सम्मादरित, अनादरित, अति सम्मानित, अति अवमानित। हमारे बेचारे पुरखे न गरुड़ के रूप में आ सकते है, न मयूर के, न हंस के। उन्हें पितरपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए काक बनकर ही अवतीर्ण होना पड़ता है। इतना ही नहीं हमारे दूरस्थ प्रियजनों को भी अपने आने का मधु सन्देश इनको कर्कश स्वर में ही देना पड़ता है। दूसरी ओर हम कौंचों और काँव-काँव करने को अवमानना के अर्थ में ही प्रयुक्त करते हैं।

2. हिन्दी गद्य की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

हिंदी निबंध का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3 'ईदगाह' कहानी बाल मनोविज्ञान की कहानी है? स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी का प्रतिपाद्य बताइए।

4. 'जबान' निबंध के उददेश्य पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

'होना कुछ नहीं का' पाठ का प्रतिपाद्य लिखिए।

5. 'गिल्लू' रेखाचित्र की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

'गंगा स्नान करने चलोगे' पाठ के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

6. किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए :- (7)

(क) फोर्ट विलियम कॉलेज

(ख) हिन्दी निबंध

(ग) अमीना बेगम